

Ferdinando Frega – Nando the Scribe

REMEMBER THIS DAY



Gillettenarrative.com

यह जिलेट दिन याद रखिए

जिलेट ऑडियो — नांदो, लेखक

मुझे लगा था मैं सब कुछ देख चुका हूँ। ज़्यादा वक़्त नहीं बीता था कि एक ईमेल आया, फ़ौरन फ़ोन पर बात करने की माँग के साथ: वॉलमार्ट यूएसए।

मुझे लगा यह एक और मज़ाक़ है — लेकिन 1 अप्रैल नहीं था। बस 22 जून, ग्रीष्म संक्रांति शुरू होने के एक दिन बाद। शायद पहली धूप ने किसी को कुछ ज़्यादा ही ज़ोर से चूम लिया था।

मैंने फ़ौरन अपनी पत्नी से पूछा कि उसने राशन के पैसे चुका दिए थे या नहीं — हो सकता है कार्ड का भुगतान नामंजूर हो गया हो। उसने मुझे तसल्ली दी: वह वहाँ ख़रीदारी नहीं करती। वह मोहल्ले की दुकानों पर जाती है, जहाँ इंसानी रिश्ता हमेशा ब्रांड से ज़्यादा मज़बूत होता है।

लेकिन वे चाहते क्या होंगे? मुझे याद नहीं कि मैं कभी मालिक के बच्चों से मिला होऊँ, न यह कि पहले कभी उनके साथ मेरा कोई कारोबारी लेन-देन रहा हो। न कोई मैनेजर, न कोई विभाग प्रमुख — बस बहुत पहले, एक कैशियर लड़की के साथ छोटी-सी प्रेम कहानी, पर वह उतनी ही देर चली जितनी देर एक रसीद चलती है।

मैं नहाया। फ़ोन करने से पहले मैं पूरी तरह जागा हुआ होना चाहता था। मैंने कॉफ़ी पी और पत्नी से कहा कि मेरे पास बैठ जाए — इसलिए नहीं कि उसे अंग्रेज़ी आती है, बल्कि इसलिए कि औरत की मौजूदगी से कभी नुक़सान नहीं होता।

मैंने नंबर मिलाया। एक सेक्रेटरी ने फ़ोन उठाया। जैसे ही मैंने अपना नाम बताया, वह उछल पड़ी और चिल्लाई: वही हैं, वही हैं — कृपया लाइन पर रहिए, मैं आपकी बात श्रीमती वॉलमार्ट से कराती हूँ।

हे भगवान, इनका तो नाम ही मालिक वाला है। क्या किस्मत है — ज़रूर हमनाम होंगी।

लाइन के दूसरे सिरे से: सुज़ैन वॉलमार्ट। मैंने नहीं पूछा कि वे संस्थापकों की रिश्तेदार हैं या दूर की कोई चचेरी बहन।

वे मुझसे मिलना चाहते हैं। मुझे देखना चाहते हैं। बात करना चाहते हैं। और मुझसे पूछते हैं कि साथ काम करने की मेरी शर्तें क्या हैं।

ठीक है — पहली, रेज्जो कालाब्रिया आइए। दूसरी, बस 1 डॉलर लाइए, जिस पर आपके मालिक के दस्तख़त हों।

ठीक है। उस पर मैं खुद दस्तख़त कर दूँगी।

हे भगवान। मालिक तो यही हैं।

वे मुझसे बस एक बात पूछती हैं: उनके किसी स्टोर के भीतर मेरे लेखन — जिलेट नैरेटिव — की ओर एक औरत का रुख मुझे कैसा दिखता है?

जवाब फ़ौरन आया। और मेरे पास कोई डिग्री नहीं है।

मुझे वह दिखता ही नहीं। औरतें चीज़ें कभी माँगती नहीं। ले लेती हैं। हमेशा से।

मैं उन्हें एक कवर भेजूँगा — उनके स्टोर के भीतर औरतों की मेरी कल्पना। लेकिन एक शर्त: औरतें मेरी किसी किताब के लिए कभी पैसे नहीं देंगी।

वे मुस्कुराईं। और फिर उन्होंने वही कहा जो हर कोई हमेशा कहता है:

पर तुम आख़िर हो कौन बला?

बस कोई ऐसा जिसकी आपने कभी उम्मीद नहीं की थी।

नांदो